CHANGE IN COINAGE SYSTEM BY SOME COUNTRIES

592. SHRI SURAJ PRASAD : Will the Minister of FOREIGN TRADE/ **विदेश व्यापार मंत्री** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in the first week of May, 1971 some countries introduced substantial changes in their coinage system ; and

(b) if so, how the Indian trade has been affected as a result thereof ?]

विदेश व्यापार मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) पश्चिमी यूरोप के अनेक देशों ने मई के आरम्भ में अपनी विनिमय दरों में परिवर्तन किये हैं। उनकी मुद्रा-प्रणालियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

(ख) भारत के वैदेशिक व्यापार पर इन परिवर्तनों के प्रभाव का अनुमान इतनी जल्दी नहीं लगाया जा सकता, विशेषत: इस लिए कि जर्मन संघीय गणराज्य ने ड्यू मार्क की विनिमय दर को "फ्लोट" कर दिया है। क्योंकि इसका प्रभाव कुछ-कुछ अन्य जर्मन मार्क के पुनर्मूल्यन जैसा पड़ा है और क्योंकि कुछ अन्य यूरोपीय मुद्राओं का भी ऊर्ध्वमुखी पुनर्मूल्यन किया गया है अत: इन देशों को भारतीय निर्यात कुछ हद तक अधिक प्रतियोगी बन सकते हैं। दूसरी ओर इन देशों से अपरिहार्य परिणाम तक होने वाले निर्यातों पर आने वाली रुपया-लागत भी उसी हद तक बढ़ने की सम्भावना है जिस हद तक इन मुद्राओं का पुनर्मूल्यन किया गया है।

f[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE/ **विदेश व्यापार मन्त्रालय में उपमन्त्री** (SHRI A. C GEORGE) : (a) A number of Western European countries introduced changes in their exchange rates in the early part of May. No changes have been introduced in their coinage system.

(b) It is a little early to assess the result of these changes on India's foreign trade, particularly because the exchange rate of the Deutsche Mark has been "floated" by the Federal Republic of Germany. Since this has already had some effect of "revaluation" of the German Mark, and since some other European currencies have also been revalued upwards, Indian exports to these countries may become marginally more competitive. On the other hand, to the extent that we have inescapable imports from these countries, the rupee cost of such import is also likely to correspondingly go up by the extent of the revaluation of these currencies.]

बाराबंकी-गोरखपुर छोटी लाइन का बड़ी लाइन में बदला जाना

593. श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :
श्री सीताराम सिंह :

क्या योजना मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश की सरकार ने खर्च न कर सकने के कारण प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पंचवर्षीय योजनाओं का कितना-कितना धन वापस किया ; और

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार इस धन को बाराबंकी-गोरखपुर के बीच की छोटी रेलवे लाइन को बड़ी रेलवे लाइन में परिवर्तित करने के लिए खर्च करने का विचार रखती है ?

CONVERSION OF BARABANKI-GORAKHPUR METRE GAUGE LINE INTO BROAD GAUGE LINE

59?. SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI : SHRI SITARAM SINGH : Will the Minister of PLANNING/' **योजना मन्त्री** be pleased to state :

(a) the amount of money surrendered by the Uttar Pradesh Government as unutilised funds pertaining to the First, Second and Third Five Year Plans separately ; and

(b) whether the Union Government propose to spend these funds to convert the Barabanki-Gorakhpur metre gauge line into broad gauge line ?]

t[*1* English translation.

योजना मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री मोहन धारिया) : (क) राज्यों की योजनाओं की स्कीमों के लिए केन्द्रीय सहायता 1964-65 तक विभागीय वास्तविक आंकड़ों के आधार पर दी जाती थी अतः सामान्यतया इसके उपयोग न हो पाने का प्रश्न नहीं उठ सकता था। इसके बाद की अवधि में लेखा परीक्षा किये गये व्यय के आंकड़ों के आधार पर केन्द्रीय सहायता को अन्तिम रूप दिया जाता है। इस अवधि का उत्तर प्रदेश का लेखा अभी तय नहीं किया गया है।

(ख) मीटर गेज (छोटी) लाइनों को ब्राड गेज (बड़ी) लाइनों में परिवर्तित करने के प्रस्ताव रेल मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा गुण-दोष के आधार पर तैयार किये जाते हैं। बाराबंकी-गोरखपुर मीटर गेज लाइन को ब्राड गेज में परिवर्तित करने का प्रस्ताव अलग से रेलवे बोर्ड के विचाराधीन है। रेलवे की स्वीकृत स्कीमें केन्द्रीय योजना का अंग होती हैं, राज्य योजना में शामिल स्कीमों की निधि के अनुपयोग से उनका कोई सम्बन्ध नहीं होता है।

j[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING/योजना मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (SHRI MOHAN DHARIA) : (a) Upto 1964-65, Centra) assistance towards State plan schemes was given on the basis of departmental actuals. Therefore, the question of non-utilisation of any part of it would not normally arise. In the subsequent period, Central assistance is finalised on the basis of the certified figures of audited expenditure. The accounts of Uttar Pradesh for this period have not yet been settled.

(b) Proposals for conversion of metre gauge lines into broad gauge are formulated by the Ministry of Railway (Railway Board) on merits. The proposal for conversion of the Barabanki-Gorakhpur metre gauge line into broad gauge is separately under the consideration of the Railway Board. Approved railway schemes form part of the Central Plan, and have no connection with the non-utilisation of funds on schemes included in the State Plan.]

संघ लोक सेवा आयोग का अपने सदस्यों के वेतनमान और सेवा की शर्तों के सम्बन्ध में प्रतिवेदन

594. श्री बी० एन० मण्डल : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) क्या यह सच है कि संघ लोक सेवा आयोग ने गत वर्ष अपने सदस्यों के वेतनमान और सेवा की शर्तों के सम्बन्ध में एक प्रतिवेदन के रूप में हाल में कतिपय सुझाव प्रस्तुत किये हैं ; और

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर, 'हां' हो, तो वे सुझाव क्या हैं और इस सम्बन्ध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

t[UPSC REPORT REGARDING PAY SCALES AND TERMS AND CONDITIONS OF SERVICES OF ITS MEMBERS

594. SHRI B. N. MANDAL : Will the PRIME MINISTER/प्रधान मन्त्री be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the U.P.S.C. have recently submitted certain suggestions regarding the pay scales and terms and conditions of services of its Members in the form of a report last year ; and

(b) if answer to part (d) above be in the affirmative ; what are those suggestion *;* and the reaction of Government in this regard ?]

गृह मन्त्रालय और कार्मिक विभाग में राज्य मन्त्री (श्री राम निवास मिर्धा) : (क) जी हां, श्रीमान्।

(ख) आयोग द्वारा 20वीं रिपोर्ट में प्रस्तुत किये गये सुझाव इस प्रकार थे :—

(i) आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों का वेतन क्रमशः उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा न्यायाधीशों के वेतन के समान कर देना ही उचित होगा तथा इस